an>

Title: Regarding situation arising out of issues of recent government formation in Arunanchal Pradesh.

श्री निनोंग इरिंग (अरुणाचल पूर्व) : सभापति जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूं। सरकार ने सबका साथ-सबका विकास और कॉपोरेटिव फेडरेशन का नारा लगाया है, खासकर हमारे उत्तर-पूर्वी राज्यों के जो हालात हैं, मैं उस पर कुछ कहना चाहता हूं। अरुणाचल प्रदेश में अभी हाल ही में जो घटना घटी, वह एक उदाहरण है, जिससे प्रजातंत्र पर धब्बा लगा है। राष्ट्रपति जी ने 'मिनीमम गवर्नमेंट, मेक्सिमम गवर्नेंस' की बात कही है, यह घटना जो वहां घटी, प्रजातंत्र के मुंह पर एक तमाचा जड़ा गया है इसलिए यह घटना सही है या गलत, मैं इसमें नहीं जाना चाहता। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि वहां के महामहिम गवर्नर ने जिस प्रकार से केन्द्र सरकार की मदद से राज्य सरकार को गिराने का षड़यंत्र रचा और कामयाब भी हुए...(व्यवधान) सरकार ने वहां नियमों की धज्जियां उड़ा दीं ...(व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): .यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है इसलिए इस पर चर्चा नहीं

हो सकती।

श्री निनोंग इरिंग : जो संविधान का टेंथ शिडयूल है, उसे वहां खत्म कर दिया गया है।...(व्यवधान) आप देखें कि कैसे सांप और नेवला एक साथ एक बिल में रह सकते हैं...(व्यवधान)

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : यह मामला कोर्ट में है और सुप्रीम कोर्ट ने यह डिसीजन दिया है।

श्री निनोंग इरिंग : मेरी बात अभी समाप्त नहीं हुई है और न ही मैं ईल्ड कर रहा हूं। मुझे मालूम है कि यह मामला अभी सब-जूडिस है, लेकिन वहां कैसे सरकार बनाई गई, सरकार बनी तो उसे मुबारकबाद, लेकिन यहां अगर हम, बीजेडी और अन्य लोग राजनाथ सिंह जो प्रधान मंत्री बनाने के लिए सपोर्ट करें, तब क्या होगा। आपने वहां संविधान के टेंथ शिडयूल को खत्म कर दिया है। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि उसने संविधान के प्रति जो नकारात्मक काम किया है, वह सही है या नहीं? मैं कहना चाहूंगा कि राज्यपाल का निर्णय क्या ठीक था या नहीं, वह आप देखें।

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल : राज्यपाल के नाम को रिकार्ड से डिलीट कर दिया जाए।

HON. CHAIRPERSON : The name should be deleted.